तार्किक रूप से कैसे सुनिश्चित हो कि क्लाइन्ट गर्भवती नहीं है

इलाज शुरू करने के पहले अक्सर स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को यह तय करने की आवश्यकता होती है कि क्या महिला गर्भवती है, क्योंकि कुछ दवाओं के पार्श्व प्रभाव (साइड एफेक्ट) गर्भ के लिए अत्यधिक हानिकारक हो सकते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार महिला को सीओसी, डीएमपीए (या नेट ईएन), सीआईसी, गर्भनिरोधक पैच या रिंग का इस्तेमाल गर्भावस्था के दौरान दुर्घटनापूर्ण रूप से कर लेने पर उसको या उसकी गर्भावस्था के दौरान या बच्चे को कोई ज्ञात नुकसान नहीं है। जबकि यह सिफारिश की जाती है कि परिवार नियोजन प्रदाता को आकलन करना चाहिए कि गर्भ निरोधक सेवा चाहने वाली महिला पहले से गर्भवती तो नहीं है, क्योंकि जो महिला गर्भवती है उसे गर्भ निरोध की आवश्यकता नहीं है। इसके अतिरिक्त, आईयूडी जैसे तरीकों को गर्भवती महिलाओं में कभी भी आरंभ नहीं करना चाहिए क्योंकि ऐसा करने से सेप्टिक गर्भपात, जोकि एक गंभीर जटिलता है, हो सकता है।

हालांकि गर्भावस्था, तार्किक रूप से गर्भावस्था जांच से तय की जा सकती है, बहुत से क्षेत्रों में ऐसी जांचे या तो उपलब्ध नहीं होतीं या क्लाइन्ट उनका खर्च नहीं उठा सकते हैं। ऐसे मामलों में आने के समय गैर–मासिक धर्म वाली बहुत सी क्लाइन्ट गर्भनिरोधकों से वंचित कर दी जाती हैं क्योंकि सेवा प्रदाता मासिक धर्म को महिला के गर्भवती न होने का संकेत मानते हैं। इन महिलाओं को अक्सर कोई गर्भनिरोधक विधि प्रयोग करने के लिए मासिक धर्म आने तक इंतजार करने को कहा जाता है।

मासिक धर्म या प्रयोगशाला जांच की अनुपस्थिति में गर्भावस्था का संदेह दूर करने के लिए दूसरे दृश्टिकोण का पालन किया जा सकता है। अंतर्राष्ट्रीय विकास के लिए यूएस एजेंसी (यूएसएड) की सहायता से फैमिली हेल्थ इंटरनेशनल (एफएचआई) ने परिवार नियोजन प्रदाताओं के प्रयोग के लिए एक सरल चेकलिस्ट विकसित की है जिसका उद्देश्य गैर–मासिक धर्म वाली क्लाइन्टों द्वारा सुरक्षित रूप से अपनी गर्भनिरोधक पसंद पाना है। चेकलिस्ट, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचए) द्वारा स्वीकृत आधार के अनुसार तार्किक निश्चितता के साथ यह सुनिश्चित करने के लिए है कि महिला गर्भवती नहीं है। परिवार नियोजन क्लीनिकों में चेकलिस्ट के मूल्यांकन से पता चलता है कि गैर–गर्भवती महिलाओं की ठीक–ठीक पहचान के लिए यह प्रभावी टूल है। इसके साथ ही ग्वाटेमाला, माले और सेनेगल में किये हालिया अध्ययनों ने दिखाया है कि परिवार नियोजन प्रदाताओं द्वारा इन चेकलिस्टों के प्रयोग से मासिक धर्म स्तर के कारण वापस भेजी जाने वाली क्लाइन्टों का अनुपात काफी कम हुआ है तथा गर्भनिरोधक सेवाओं तक महिलाओं की पहुंच बढ़ी है।

हालांकि मूल चेकलिस्ट का विकास परिवार नियोजन प्रदाताओं के प्रयोग के लिए किया गया था इसका प्रयोग दूसरे स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं द्वारा किया जा सकता है जिनको यह जानने की जरूरत होती है कि क्लाइन्ट गर्भवती है या नहीं। उदाहरण के लिए फार्मेसिस्ट इस चेकलिस्ट का प्रयोग कुछ दवायें देने में कर सकते हैं जिनसे गर्भावस्था में बचा जाना चाहिये, जैसे कुछ एंटीबायोटिक और मिर्गी से बचाने वाली कुछ दवायें।

यह चेकलिस्ट प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं में सेवा प्रदाताओं के लिए बनी अनेक चेकलिस्टों का हिस्सा है। दूसरी चेकलिस्टों में–*डीएमपीए (या नेट–इन) प्रयोग की इच्छा वाले क्लाइन्टों की स्क्रीनिंग चेकलिस्ट, संयुक्त मुखीय गर्भनिरोधक (सीओसी) प्रयोग की इच्छा वाले क्लाइन्टों की स्क्रीनिंग चेकलिस्ट और कापर आईयूडी प्रयोग की इच्छा वाले क्लाइन्टों की स्क्रीनिंग चेकलिस्ट* शामिल हैं। सेवा प्रदाता चेकलिस्टों की विस्तृत जानकारी के लिए कृपया http://www.fhi.org पर जायें।

सवालों की व्याख्या

चेकलिस्ट में 6 सवाल हैं जिनको सेवा प्रदाता मेडिकल हिस्ट्री लेते समय क्लाइन्टों से पूछते हैं। यदि क्लाइन्ट इनमें से किसी सवाल का जवाब 'हां' में देती है और उसे गर्भावस्था के कोई संकेत या लक्षण नहीं हैं तो सेवा प्रदाता तार्किक रूप से सुनिश्चित हो जाता है कि महिला गर्भवती नहीं है। अपने मासिक चक्र के 7 दिनों के भीतर वाली महिलायें, पिछले 7 दिनों में गर्भस्राव/गर्भपात से पीड़ित महिलायें या प्रसव के बाद (पोस्टपार्टम) पहले चार सप्ताहों के भीतर वाली महिलायें अनियोजित गर्भावस्था से सुरक्षित रहती हैं क्योंकि इन स्थितियों में अंड निर्माण (ओव्यूलेशन) की संभावनायें अत्यधिक कम होती हैं। आईयूडी के साथ मासिक चक्र में 12वें दिन के पहले गर्भावस्था की संभावना कापर आईयूडी की अतिरिक्त गर्भनिरोधक प्रभावशीलता के कारण बहुत कम होती है। लैक्टेशनल एमनोरिया आधार (प्रसव के बाद पहले 6 महीने के भीतर वाली महिलायें जो पूरी तरह या लगभग पूरी तरह स्तनपान करा रही हैं और उनको मासिक धर्म नहीं हुआ है) पूरा करने वाली महिलायें, प्रजनन चक्र पर लैक्टेशनल एमनोरिया के प्रभावों के कारण अनियोजित गर्भावस्था से सुरक्षित रहती हैं। इसी तरह विश्वसनीय गर्भनिरोधक विधि का लगातार और सही प्रयोग करने वाली महिलायें तथा पिछले मासिक धर्म के बाद संभोग से दूर रहने वाली महिलायें अनियोजित गर्भावस्था से सुरक्षित रहती हैं।

स्रोतः

[1] टेक्निकल गाइडेंस/कम्पीटेंस वर्किंग ग्रुप (टीजी/सीडब्ल्यूजी)। रिकमेंडेशंस फॉर अपडेटिंग सिलेक्टिड प्रेक्टिसेज इन कंट्रासेप्टिव यूजः वॉल्यूम II. वाशिंगटनः यूएस एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट, 1997.

[2] स्टेनबैक जे, कुरेशी जेड, नटले टी., सेकाडे किंगोंडू सी., प्राथमिक चिकित्सा में परिवार नियोजन क्लाइन्टों में गर्भावस्था के संदेह वाली चैकलिस्ट (चैकलिस्ट फॉर रूलिंग आउट प्रेगनेंसी एमंग फेमिली प्लानिंग क्लाइंट्स इन प्राइमरी केयर)। लेंसेट 1999:354 (अगस्त 14):566

3. स्टेनबैक जे, डायाबेट एफ, डिंग टी, डोआर्टे डेमोरालेस टी, कमिंग्स एस, ट्रे ओरे एम., परिवार नियोजन क्लाइन्टों में गर्भावस्था का संदेहः तीन देशों में चेकलिस्ट का प्रभाव। (रूलिंग आउट प्रेगनेंसी एमंग फैमिली प्लानिंग क्लाइंट्स : द इम्पेक्ट ऑफ चैक लिस्ट इन थ्री कंट्रीज़) स्ट फैम प्ला 2005;36(4):311–15

© फैमिली हेल्थ इंटरनेशनल, 2008. पी.ओ.बाक्स 13950, रिसर्च ट्राइएंगल पार्क, एन.सी. 27709, यू.एस.ए., फैक्स (919) 544–7261 • http://www.fhi.org

तार्किक रूप से कैसे सुनिश्चित हो कि क्लाइन्ट गर्भवती नहीं है

क्लाइन्ट से 1–6 सवाल पूछें। जैसे ही **किसी सवाल** का जवाब **'हां'** आता है, रुकिये और निर्देशों का पालन कीजिये।

नहीं	1. क्या आपको 6 महीने से कम समय में पहला बच्चा हुआ है, क्या आप पूरी तरह या लगभग पूरी तरह स्तनपान करा रही हैं और क्या तब से आपको मासिक धर्म नहीं हुआ है?	हाँ
नहीं	2. क्या पिछले मासिक धर्म या प्रसव के बाद आप संभोग से दूर रही हैं?	हाँ
नहीं	3. क्या पिछले 4 सप्ताह में आपके बच्चा हुआ है?	हाँ
नहीं	4. क्या आपका अंतिम मासिक धर्म पिछले 7 दिनों में शुरू हुआ है (या यदि आप आईयूडी प्रयोग की योजना बना रही हैं तो पिछले 12 दिनों में)?	हाँ
नहीं	5. क्या पिछले 7 दिनों में आपको गर्भस्राव या गर्भपात हुआ है? (या यदि आप आईयूडी प्रयोग की योजना बना रही हैं तो पिछले 12 दिनों में)?	हाँ
नहीं	6. क्या आप एक विश्वसनीय गर्भनिरोधक उपाय का लगातार और सही प्रयोग कर रही हैं?	हाँ

यदि क्लाइंट **सभी सवालों** का जवाब **नहीं** में देती है तो गर्भावस्था का संदेह दूर नहीं किया जा सकता है। क्लाइंट को मासिक धर्म की प्रतीक्षा या गर्भावस्था जांच करानी चाहिये।

यदि क्लाइंट **कम से कम किसी एक सवाल** का जवाब **हां** में देती है और उसके गर्भावस्था के कोई संकेत या लक्षण नहीं है, तो उसे इच्छित गर्भनिरोधक विधि दे दें।

USAID FROM THE AMERICAN PEOPLE

fhi THE SCIENCE OF IMPROVING LIVES

© 2008

In July 2011, FHI became FHI 360.

FHI 360 is a nonprofit human development organization dedicated to improving lives in lasting ways by advancing integrated, locally driven solutions. Our staff includes experts in health, education, nutrition, environment, economic development, civil society, gender, youth, research and technology – creating a unique mix of capabilities to address today's interrelated development challenges. FHI 360 serves more than 60 countries, all 50 U.S. states and all U.S. territories.

Visit us at www.fhi360.org.